प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

22 अप्रैल 2026

विदेशी प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों का वित्त, 2024-25

आज, भारतीय रिज़र्व बैंक ने 3,100 कंपनियों, जिन्होंने 2022-23 से 2024-25 तक तीन लेखा वर्षों के लिए भारतीय लेखा मानक (इंड-एएस) प्रारूप में रिपोर्ट किया, के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा के आधार पर वर्ष 2024-25 के दौरान भारत में गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) कंपनियों के वित्तीय कार्यनिष्पादन से संबंधित आंकड़े[1] (https://data.rbi.org.in/#/dbie/reports/Statistics/Corporate%20Sector/Finances%20of%20FDI%20Companies) जारी किए। उनका आर्थिक क्षेत्र वर्गीकरण, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के एमजीटी-7 फॉर्म में रिपोर्ट की गई प्रमुख कारोबारी गतिविधि पर आधारित है, जो इन आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।

इन कंपनियों की चुकता पूंजी (पीयूसी) ₹5,96,425 करोड़ थी, जो भारतीय प्रत्यक्ष निवेश कंपनियों की विदेशी देयताओं और आस्तियों संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक की वार्षिक गणना के 2024-25 दौर में रिपोर्ट की गई एफडीआई कंपनियों के कुल पीयूसी का 51.9 प्रतिशत था।

मुख्य बातें

- लगभग आधी नमूना कंपनियों को सिंगापुर, मॉरीशस और अमेरिका से प्रत्यक्ष निवेश प्राप्त हुआ, जबकि जापान, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम अन्य प्रमुख देश थे जिन्होंने भारत में प्रत्यक्ष निवेश किया। नमूना कंपनियों का एक बड़ा हिस्सा विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों से संबंधित था, सेवा क्षेत्र के भीतर आने वाली लगभग एक तिहाई कंपनियां सूचना और संचार उद्योग से संबंधित थीं (विवरण 1)।

बिक्री

- चुनिंदा एफडीआई कंपनियों की निवल बिक्री में वृद्धि पिछले वर्ष में देखी गई 9.4 प्रतिशत की वृद्धि वर्ष 2024-25 के दौरान 8.7 प्रतिशत तक कम हो गई (विवरण 2)।
- उद्योगवार, सेवा क्षेत्र की निवल बिक्री वृद्धि पिछले वर्ष के 12.2 प्रतिशत से मामूली रूप से बढ़कर 12.7 प्रतिशत हो गई जबकि विनिर्माण क्षेत्र में यह पिछले वर्ष के 6.8 प्रतिशत से घटकर 5.1 प्रतिशत हो गई (विवरण 8)।

---

[1] शृंखला में पिछले आंकड़े 11 मार्च 2025 को प्रकाशित किया गए थे, जो वर्ष 2021-22 से 2023-24 के लिए 2,418 एफडीआई कंपनियों के वित्त पर आधारित थे।

व्यय

- विनिर्माण व्यय और कर्मचारियों के पारिश्रमिक में वृद्धि के साथ, परिचालन व्यय पिछले वर्ष के 7.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024-25 के दौरान 9.1 प्रतिशत हो गया (विवरण 2)।
- वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा क्षेत्र में कर्मचारियों के पारिश्रमिक में वृद्धि हुई जबकि विनिर्माण क्षेत्र में उक्त पारिश्रमिक में कमी आई।

लाभ

- बिक्री में कम वृद्धि और व्यय में वृद्धि के बावजूद, परिचालन लाभ पिछले वर्ष के 22.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2024-25 के दौरान 10.7 प्रतिशत हो गया (विवरण 2)।
- निजी लिमिटेड एफडीआई कंपनियों ने सार्वजनिक लिमिटेड एफडीआई कंपनियों की तुलना में उच्च लाभ वृद्धि दर्ज की (विवरण 10)।
- वर्ष 2024-25 के दौरान, उच्चतर गैर-परिचालन आय और कम ब्याज व्यय के कारण कर पश्चात लाभ में 22.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई; उद्योग-वार, सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने विनिर्माण क्षेत्र (12.6 प्रतिशत) की तुलना में कर पश्चात लाभ में अधिक वृद्धि (29.2 प्रतिशत) दर्ज की (विवरण 2 और 8)।

लीवरेज

- नमूना एफडीआई कंपनियों का लीवरेज (इक्विटी की तुलना में ऋण अनुपात के संदर्भ में मापा जाता है) वर्ष 2024-25 के दौरान 25.0 प्रतिशत रहा; प्रमुख क्षेत्रों में; वर्ष 2024-25 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र का लीवरेज कम होकर 16.3 प्रतिशत हो गया, जबकि सेवा क्षेत्र के लिए यह बढ़कर 23.6 प्रतिशत हो गया (विवरण 3 और 11)।
- ब्याज व्याप्ति अनुपात (आईसीआर) [2], ऋण चुकौती क्षमता का मापक, में सुधार जारी रहा और यह 2024-25 के दौरान 5.8 रहा; विनिर्माण और सेवा कंपनियों का आईसीआर वर्ष 2024-25 के दौरान क्रमशः 6.9 और 6.6 रहा (विवरण 3 और 11)।

निधि के स्रोत एवं उपयोग

- बैंकों द्वारा दिए जाने वाले मीयादी ऋणों में कमी के परिणामस्वरूप, वर्ष 2024-25 के दौरान निधियों के बाह्य स्रोतों की हिस्सेदारी पिछले वर्ष के 45.5 प्रतिशत से घटकर 42.6 प्रतिशत हो गई (विवरण 6ए)।
- कुल निधि स्रोतों के उपयोग की तुलना में सकल पूंजी निर्माण का अनुपात, पिछले वर्ष के 41.9 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2024-25 के दौरान बढ़कर 45.3 प्रतिशत हो गया (विवरण 3)।

विवरणों के व्याख्यात्मक नोट अनुलग्नक में दिए गए हैं।

(ब्रिज राज)

प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/123 मुख्य महाप्रबंधक

---

[2] आईसीआर (अर्थात ब्याज एवं कर-पूर्व अर्जन और ब्याज व्यय का अनुपात) किसी कंपनी की ऋण चुकौती क्षमता का एक माप है। व्यवहार्य आईसीआर के लिए न्यूनतम मूल्य 1 है।